

पत्रिका में मातृ कर्म काट वगैरह में पत्रिका हुई। पत्रिका के संबंधित वादपत्र का विवरण हो चुका है। पत्रिका पत्र अन्वयात् विधे दादा का कोई भी चित्र नहीं रह गया है। अर्थ का पत्र अन्वयात् विधे दादा नवाग्रिप लिखा जाता है। पत्रिका में किंवा ल शुकर होकर न २०२ के कम हो गया दादा दादा दादा हो।

उपस्थानकारी
उपस्थानकारी (सुपरी)